B.A. , Semester - V

Paper- I

(Teaching Method and Organization in Physical Education)

[By: Dr. M.K. Mishra]

Unit I

Topic: Teaching Aids in Physical Education

Teaching Aids

शिक्षण सहायक सामग्री

- पाठ को ठीक से समझाने के लिए शिक्षक जिन-जिन सामग्रियों का प्रयोग करता है वह शिक्षण सामग्री (instructional materials) या 'शिक्षण-अधिगम सहायक सामग्री' कहलाती है।
- अध्यापन में नवीनता लाने के लिए सहायक सामग्री का प्रयोग शिक्षक के लिए बांछनीय ही नहीं अनिवार्य भी है।
- शिक्षण सहायक सामग्री विषय वस्तु को सरल,रुचिकर,स्पष्ट, प्रभावशाली तथा स्थायी बनाती है।

डेण्ड के अनुसार

सहायक सामग्री वह सामग्री होती है जो कक्षा में या अन्य शिक्षण परिस्थितियों लिखित या बोली गई पाठ्य सामग्री को समझने में सहायता प्रदान करती है।

कार्टर ए गुड

कोई भी ऐसी सामग्री जिसके माध्यम से शिक्षण प्रक्रिया को उद्दीप्त किया जा सके, अथवा श्रवणेन्द्रिय संवेदनाओं के द्वारा आगे बढ़ाया जा सके वह सहायक सामग्री कहलाती है।

शिक्षण सहायक सामग्रियों के महत्व

- शिक्षण सहायक सामग्रियों से अभिप्रेरणा मिलती है।
- ये कठिन से कठिन विषय-वस्तु को सरल, स्पष्ट, रुचिकर एवं सार्थक बना देती है।
- ये पठन-पाठन में नवीनता लाती है।
- इनके प्रयोग से समय और शक्ति की बचत होती है।
- ये रटने की प्रवृत्ति को कम करती है।

- ये विद्यार्थियों को पुनर्बलन प्रदान करती हैं।
- ये विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देती हैं।
- ये कक्षा में अनुशासन बनाये रखती हैं क्योंकि ये बच्चों में रुचि पैदा करती है।

शिक्षण सहायक सामग्री के प्रकार

(Types Of Teaching Aids)

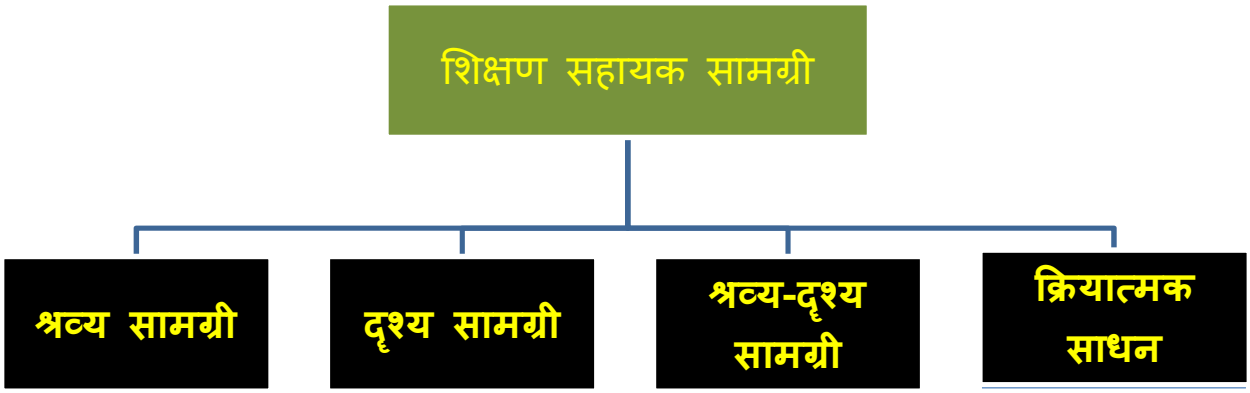

1- श्रव्य सामग्री

ऐसी सामग्रियां जिन्हें केवल सुना ही जा सकता है।

- रेडियो
- टेपरिकार्डर
- ग्रामोफ़ोन
- लाऊडस्पीकर
- टेलीफोन

2- दृश्य सामग्री

ऐसी सामग्रियां जिन्हें केवल देखा जा सकता है।

- चित्र एवं चल चित्र
- चार्ट

- ग्राफ
- मानचित्र
- ग्लोब
- पोस्टर
- पाठ्य पुस्तक
- फ़िल्म पट्टियां
- फ्लैक्स बोर्ड
- मॉडल

3- श्रव्य-दृश्य सामग्री

ऐसी सामग्री जिन्हें सुना भी जा सकता और देखा भी जा सकता है श्रव्य-दृश्य शिक्षण सहायक सामग्री कहलाती हैं ।

- टेलीविजन
- प्रोजेक्टर
- कम्प्यूटर
- चल चित्र
- VCD प्लेयर

4- क्रियात्मक साधन

ये ऐसी सामग्रियां या साधन होते हैं जिनमे छात्रों को प्रत्यक्ष करके सीखा सिखाया जाता है।

- रोल प्ले
- मेले
- प्रदर्शनियाँ
- भ्रमण
- प्रयोगशाला